

डॉ. इलेन फिलिप्स, बाइबिल अध्ययन का परिचय, सत्र 7, पहाड़ी देश

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. एलेन फिलिप्स और बाइबिल अध्ययन के परिचय पर उनका शिक्षण है। यह सत्र संख्या सात, सेंट्रल एरेना, हिल कंट्री है।

एक क्षण में, हम थोड़ी समीक्षा करने जा रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते हैं कि इस बार, हम भूमि के सबसे महत्वपूर्ण खंडों में से एक पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं क्योंकि यह भगवान के स्थान के रूप में कार्य करता है उसके लोग।

यह वही होगा जिसे सेंट्रल एरिना या हिल कंट्री कहा जाता है, और आपमें से जो लोग बाइबिल पृष्ठभूमि अध्ययन मानचित्रों का उपयोग कर रहे हैं, उनके लिए ये मानचित्र तीन और सात हैं। लेकिन आइए पहले समीक्षा करें; हम बस इसके माध्यम से अपना रास्ता चलते हैं। हमने ऐतिहासिक भूगोल का अध्ययन किया है, और अब तक आपने यह जानने के लिए काफी कुछ देख लिया है कि इसमें कौन से चार का योगदान है।

हमने भी, उन चार उप-विषयों के बाद, मध्य पूर्व का भौगोलिक अवलोकन किया और फिर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जिसे दोनों भूमि के बीच कहा जाता है, क्योंकि निश्चित रूप से, यह उन प्रमुख भू-राजनीतिक संस्थाओं और अन्य सभी चीजों के बीच है, और यह बन गया परमेश्वर के लोगों के लिए विश्वास की परीक्षण भूमि। हम पहले ही सिनाई में वाचा के बारे में बात कर चुके हैं, और यह आज्ञाकारिता की अपेक्षाओं के साथ-साथ आशीर्वाद और ताड़ना को भी स्पष्ट करेगा। उन तीन अवलोकन चीजों से, हम फिर कुछ क्षेत्रीय अध्ययन करने लगे।

हमने जंगल, ज्यूडियन हिल कंट्री, शेफेला और फिलिस्तीनी मैदान में काम किया है। हमने, व्यापक ब्रश स्ट्रोक प्रकार के दृष्टिकोण पर, नेगेव और सिनाई किया और उसमें थोड़ा सा मिस्र टैग किया, और फिर हम वास्तव में यरूशलेम में पहुंचे, और पुराने टेस्टामेंट यरूशलेम और नए टेस्टामेंट यरूशलेम दोनों के साथ काफी समय बिताया। एक पूर्ववलोकन और एक प्रकार के कनेक्शन के रूप में, क्योंकि हमने देश के दक्षिणी हिस्से को काफी हद तक पूरा कर लिया है, हम यरूशलेम से आगे बढ़ रहे हैं और केंद्रीय पहाड़ी क्षेत्रों में जा रहे हैं जो यरूशलेम के उत्तर में हैं।

अब, जो होने जा रहा है वह यह है कि हम यरूशलेम से आगे नहीं बढ़ेंगे और सीधे बेंजामिन और उससे आगे नहीं जायेंगे। इसके बजाय, हम वास्तव में उसी तरह का दृष्टिकोण अपनाते जा रहे हैं, जैसा हमने शेफेला का अध्ययन करते समय अपनाया था। हमने उसे आखिरी तक बचाकर रखा।

हम सभी प्रकार के कारणों से बिन्यामीन के क्षेत्र को आखिर तक बचाने जा रहे हैं, जिनमें से कम से कम यह एक युद्ध का मैदान और लड़ने की जगह थी, और इसका यरूशलेम की सुरक्षा से या न होने से सब कुछ लेना-देना था। तो, आइए देखें कि हम इसके साथ कहां जा रहे हैं। इस केंद्रीय

क्षेत्र में उत्तर की ओर आगे बढ़ते हुए, हम इसे मनश्शे का पहाड़ी देश कहेंगे, और जो मैं आपके लिए यहां लाया हूं वह यह भूवैज्ञानिक नींव मानचित्र है, और मैं हमें याद दिलाऊंगा कि इनमें से कुछ रंग क्या हैं यदि इसे याद रखना थोड़ा कठिन हो तो।

हमारा हरा रंग यह कठोर चूना पत्थर का सामान होगा, जिसमें अच्छी मिट्टी, झरनों आदि के सभी अद्भुत गुण हैं। जब भी हम पीला देखते हैं, हम इसे यहां नीचे देखते हैं। अब हम इसे यहां देखने जा रहे हैं, और यह हमारा नरम चूना पत्थर है।

यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा जब हम मनश्शे के मध्य, पश्चिमी और पूर्वी पहाड़ी देश के बारे में बात कर रहे हैं। मनश्शे, बस खुद को याद दिलाने के लिए, जॉर्डन घाटी के पश्चिम में बसने वाली आधी जनजाति के बारे में बात कर रहा है। बाकी आधे लोग यहीं रहने वाले थे, लेकिन आधी जनजाति यहीं बस गई।

हां, वह आयत कृत्रिम है, लेकिन यह हमें थोड़ा समझ दे रहा है, और हम तब देखेंगे कि हमारे पास केंद्रीय भाग है। हम अपना अधिकांश समय वहीं बिताएंगे। हमारे पास पश्चिमी खंड है, जो वास्तव में, भूविज्ञान के संदर्भ में थोड़ा अलग है, काफी अलग है, और फिर यहाँ, जंगल के बराबर है जो हमने नीचे देखा है।

तो यहाँ यह कैसा है, विशेषकर मध्य भाग में। आप हमारी कलर कोडिंग देख सकते हैं। यह हमारा नरम चूना पत्थर है, और जिन दो चीजों के बारे में हमें जागरूक होने की आवश्यकता है, वे हैं यहां माउंट एबल और वहां माउंट गेराज़िम।

माउंट एबल और माउंट गेराज़िम वहां हैं, और उसके ठीक पूर्व में, आपको एक प्रकार का सफेद क्षेत्र दिखाई देता है। यहाँ से पूरी तरह बाहर न जाएँ, बल्कि यहीं तक जाएँ। हम इसे साइचर के मैदान के रूप में सोचना चाहते हैं, और यह हमारे लिए कुछ घंटियाँ बजाने वाला है, मैं अनुमान लगा रहा हूँ, जॉन अध्याय 4 के संदर्भ में। इस क्षेत्र की पश्चिमी ढलानें, जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा था, जा रही हैं थोड़ा अलग होना।

मिश्रण, नरम चूना पत्थर, चाक, और कुछ हरा पदार्थ भी, लेकिन थोड़ा सा मिश्रण। और फिर यहाँ, ज्यादातर हमारा कठोर चूना पत्थर है, लेकिन एक प्रकार की वर्षा छाया भी है। हम वहां समय नहीं बिताएंगे।

यहाँ हमारा नक्शा फिर से है। जैसे ही हम उस क्षेत्र से आगे बढ़ेंगे, क्षमा करें, जो हमारे लिए बहुत रुचिकर क्षेत्र है, हमें एक सफेद, इसका मतलब है जलोढ़ मिट्टी, इसका मतलब है एक प्रकार की वाड़ी, और वह वहां बहुत दूर तक वाड़ी होने वाली है, कनेक्शन रिफ्ट घाटी के लिए। यह वहीं है।

फिर हमें पश्चिम की ओर जाना होगा। ध्यान दें, वैसे, अंतर। वादी, अरबी, दर्शाता है कि जब ये नाम बांटे गए थे, तब भी वहां की अधिकांश आबादी यही भाषा बोलती थी।

नाहौ हिब्रू है। और इसलिए जब हम पश्चिम की ओर जाने वाली घाटी के बारे में बात करते हैं, तो अधिकांश भूगोलवेत्ता इसे नाहल शेकेम कहते हैं। यह पश्चिम की ओर जा रहा है।

जाहिर है, हम यह देखने जा रहे हैं कि यह क्षेत्र, मध्य सामरिया के संदर्भ में, माउंट एबल और माउंट गेरिज़िम के साथ, काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। और मैंने अभी इसका कारण बताया। हमारा यहां एक कनेक्शन है, है ना? यदि कोई यहां से आ रहा है, तो वे वाडी फराह तक अपना टेक कर सकते हैं, नीचे थोड़ा डॉगलेग जॉगिंग कर सकते हैं, और फिर पश्चिम की ओर जा सकते हैं।

आइए अब इसे थोड़ा अलग नजरिए से देखें और कुछ ऐसे शहरों को चुनें जो सबसे महत्वपूर्ण होंगे। हम निश्चित रूप से उन सभी को प्राप्त नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन अगर हम इसके बारे में सोच रहे हैं कि यह हमारा केंद्रीय सामरिया क्षेत्र है, यहीं, क्षमा करें, मनश्शे का हमारा जनजातीय क्षेत्र, यहीं मध्य, स्पष्ट रूप से शकेम, या शकेम, यह हमारे दिमाग में आने वाले पहले लोगों में से एक है। हम इसे उत्पत्ति से ही जानते हैं जब इब्राहीम उत्पत्ति 12 में शेकेम पहुंचने वाला था।

शेकेम के ठीक पूर्व में साइचर का वह छोटा सा मैदान होगा जिसे हमने भूवैज्ञानिक मानचित्र में देखा था। तो, उस संबंध को बनाए रखें। हम तिरज़ा नामक स्थान को भी नोट करना चाहेंगे, क्योंकि जब हम विभाजित राज्य के इतिहास के बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो उस खंडित उत्तरी साम्राज्य के समय में एक छोटी सी अवधि होने वाली है, वह स्थान जब तिर्जा सेवा करने जा रहा है राजधानी के रूप में, थोड़े समय के लिए।

और फिर, सबसे महत्वपूर्ण बात, सामरिया होने वाला है। जब हम शीघ्र ही इसके ऐतिहासिक खंड पर पहुंचेंगे, तो हम उत्तरी राज्य की राजधानियों, पहले शेकेम से तिरज़ा से सामरिया तक पूंजी आंदोलन के अनुक्रम के बारे में बात करने जा रहे हैं। कोष्ठक में जो शब्द है, सेबस्ट, वह इसलिए है क्योंकि यही वह शब्द है, वह नाम है जो इसे तब दिया गया था जब यह एक रोमन शहर बन गया था जिसे हेरोदेस महान के अलावा किसी और ने फिर से स्थापित नहीं किया था।

लेकिन वह रेखा से बहुत आगे है। आइए अब इनमें से कुछ विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों या ऐतिहासिक मुद्दों की रूपरेखा तैयार करें जिनके बारे में मैं यादृच्छिक रूप से बात करता रहा हूं। आरएसएम का मतलब क्षेत्रीय अध्ययन मानचित्र है, यदि आप इसके साथ संयोजन में मानचित्रों का एक सेट खोलने जा रहे हैं।

अब्राहम, वास्तव में इस बिंदु पर अवराम, अब्राम कहना चाहिए, क्योंकि उसका नाम परिवर्तन उत्पत्ति 17 तक नहीं होता है, लेकिन हम उसे अब्राहम के रूप में जानते हैं। और इसलिए, जैसा कि हम उत्पत्ति पढ़ते हैं, हम पाते हैं कि अध्याय 12 में वह आने वाला है। यह पहला नामित स्थान है जहां वह जेनेसिस में आएंगे।

कुछ समय बाद, पितृसत्तात्मक काल के काफी बाद, मिस्र में बिताए समय के काफी बाद, पलायन के बाद, जंगल में भटकने के बाद, विजय होती है। और लोगों द्वारा बेतेल, ऐ पर कब्ज़ा करने के बाद एक अंतराल की तरह, एक अंतराल है, और यहोशू लोगों को शकेम में इकट्ठा करेगा ताकि वे वही करें जो मूसा ने उन्हें करने के लिए कहा था, वाचा का पाठ करें, और वे इसे करने जा रहे हैं अध्याय 24 में फिर से। आगे बढ़ते हुए, संयुक्त राजशाही, सुलैमान की मृत्यु और

उथल-पुथल भरे समय के बाद, हमारे पास पहले से ही कुछ अशांति है जो सुलैमान के अपने अंत तक पहुँचने के रूप में प्रकट होती है, और फिर निश्चित रूप से, जब वह मर जाता है, उसका पुत्र रूबियाम वास्तव में उत्तर की ओर जाता है।

वह शेष इस्राएलियों से मिलता है; वह शेकेम में उनका सामना करता है, इसलिए हम देखते हैं कि यह, ठीक है, यह केंद्रीय रूप से स्थित है, यह सच है, लेकिन यह होने वाले इस छोटे से सम्मेलन के लिए उन सभी को एक साथ लाने के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण होगा। राज्य विभाजित हो गया, नेबात का पुत्र यारोबाम वास्तव में उत्तर को अपने पास रखेगा, और एक समय आएगा, और मैंने आपको बाइबिल के संदर्भ, 1 राजाओं के अध्याय 14 से 16 तक दिए हैं, जो हमारे लिए वर्णन करते हैं कि यह कितना अस्थिर था, दक्षिणी साम्राज्य और उत्तरी साम्राज्य दोनों के लिए। और क्योंकि मिस्र से शिशाक नाम का एक फिरौन घटनास्थल पर दिखाई देता है, और यह विशेष रूप से खतरनाक है, जैसे कि उत्तरी राज्य के भीतर भी गृह युद्ध के पर्याप्त समकक्ष चल रहे हैं, राजधानी इधर-उधर घूमती है।

यह तिर्जा के उस स्थान पर जाता है जिसे हमने कुछ समय पहले मानचित्र पर देखा था, थोड़ा दूर, शायद शीशक के आक्रमण की पहुंच से थोड़ा बाहर, और फिर ओमरी नाम के एक व्यक्ति के अधीन एक नया राजवंश बनने जा रहा है, और वह है राजधानी को तिर्जा से सामरिया स्थानांतरित करने जा रहे हैं, और हम इसके बारे में एक क्षण में और अधिक बताएंगे। जब ओमरी वास्तव में राजधानी को स्थानांतरित करता है, तो बस उस मानचित्र को याद रखें जो मैंने आपको कुछ क्षण पहले दिखाया था। ऐसा लगता है कि यह वास्तव में करीब है, लेकिन यह पश्चिम में काफी दूर है, यह वास्तव में केंद्रीय क्षेत्र से काफी दूर है, इसलिए उस राजधानी को सामरिया ले जाने के लिए, वह इसे शेमर नाम के एक व्यक्ति से खरीदता है, इसका नाम शोमोन रखता है, जो हिब्रू है, और मूल रूप से वह जो कर रहा है वह विदेशी प्रभाव को अपनाता है, पश्चिम से आने वाली चीजें हैं। हमने हमेशा देखा है कि पश्चिम से जो कुछ भी आता है वह एक तरह से खतरनाक होता है, और इसलिए ओमरी अपनी राजधानी को वहां ले जाता है, पश्चिम की ओर अपनी आभासी भुजाएं खोलता है, और अपने बेटे अहाब की शादी इज़ेबेल से करता है, जो कि है फोनीशियन राजा एतबाल की बेटी, वह बाल पूजा को आमंत्रित करने जा रही है।

यह हमेशा एक खतरा रहा है, लेकिन अब यह राज्य का एक प्रमुख हिस्सा बनने जा रहा है। अहाब और इज़ेबेल मिलकर, सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए, बाल की पूजा को उत्तरी राज्य के राज्य धर्म के रूप में स्थापित करेंगे। यह उस कथा के लिए महत्वपूर्ण है जो तब सामने आएगी जब हम एलिय्याह के बारे में बात करेंगे।

आगे बढ़ते हुए, इस क्षेत्र में, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, शोमोन, या सामरिया शहर, हेलेनिस्टिक स्लैश रोमन काल के दौरान फिर से बनाया जाएगा और इसका नाम सेबस्ट रखा जाएगा, और हम एक मंदिर के अवशेष, पदचिह्न फिर से देखते हैं यह काफी स्मारकीय है या था। सुसमाचार संबंधों के संदर्भ में, जिसे हम सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, निश्चित रूप से, वह है जब यीशु और उसके शिष्य सामरिया से गुज़रते हैं, जॉन अध्याय 4, और वह कुएं पर एक सामरी महिला से मिलता है, और उनके बीच एक मंदिर में थोड़ी बातचीत होती है गेरिज़िम में, वह एक सामरी मंदिर था, और उस संदर्भ में यीशु कहेंगे, आप जानते हैं, यह

यरूशलेम नहीं है, यह गेरिज़िम नहीं है, भगवान के लोग आत्मा और सच्चाई से पूजा करेंगे। आइए इनमें से कुछ चीजों पर थोड़ा गौर करें, यदि आप चाहें तो हम उन्हें जमीन पर देख सकते हैं, और इस तस्वीर के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है, इसलिए मैं केवल कुछ दिलचस्प चीजों का उल्लेख करूंगा।

इन दोनों पहाड़ों के बीच में नीचे शेकेम है। यह अब आधुनिक नब्लस है। ग्रीको-रोमन काल में नेपोलिस नाम था, और आधुनिक नाम नब्लस इसे संरक्षित कर रहा है, वास्तव में, आप इसे सुन सकते हैं, नेपोलिस, नब्लस, लेकिन यहां हमारे पास माउंट गेरिज़िम है, और हम यहां माउंट एबल रखने जा रहे हैं।

हम थोड़ी देर में इसकी दूसरी तस्वीर देखेंगे। तभी, हमने अपने स्थलाकृतिक मानचित्र पर एक घाटी देखी जो यहां से सीधे पश्चिम की ओर जा रही है। हम सूखार के मैदान में हैं, और सूखार के उस मैदान में तुम भेड़ और एक बकरी भी देख सकते हो।

अगली तस्वीर देखें और इस बारे में सोचें। देखें कि मौसम के आधार पर यह कैसे बदल गया है। यहां, हमें अद्भुत हरी चीजें उगती हुई मिली हैं।

हमें यहां माउंट एबल का भी थोड़ा बेहतर दृश्य दिखाई देता है, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप केवल उन दो चित्रों के बारे में एक-दूसरे के साथ मिलकर सोचें। निःसंदेह, यह वसंत ऋतु है, और बहुत अच्छी हरी चीजें उग रही हैं। जब तक वहां जो कुछ भी उगाया जाता है उसकी कटाई हो जाती है, तब झुंड आते हैं, और आपके बीच एक बहुत ही प्यारा सहजीवी संबंध होता है क्योंकि वे बचे हुए टूठ को चरते हैं, और जैसा कि आप अनुमान लगा सकते हैं, वे इसे अगले के लिए खाद बना रहे हैं। साल और चारों ओर जाओ।

तो, आपके पास उन लोगों के बीच एक अच्छा रिश्ता है जो झुंडों को आगे-पीछे लाते हैं और जो अधिक गतिहीन हैं और खेतों पर खेती करते हैं। गेरिज़िम, एबल और यहोशू 8 और 24 के संदर्भ में सोचें जिनका मैंने पहले उल्लेख किया था। वे होने ही वाले थे, हम इसे विशेष रूप से यहोशू 8 में देखते हैं, इन दो पहाड़ों पर वाचा के आशीर्वाद और शाप का पाठ करते हुए।

दिलचस्प बात यह है कि ये श्राप एबल पर्वत से सुनाए गए थे। अदन ज़र्टल नाम का एक पुरातत्वविद् है जिसने बहुत काम किया है और उसे माउंट एबल पर इज़राइली काल के एक मंदिर के पदचिह्न मिले हैं। हम उसके बारे में और भी बहुत कुछ कह सकते हैं।

यहां हम वास्तव में गेरिज़िम पर्वत पर हैं और अब नीचे देख रहे हैं, और इसलिए जैसे ही हम नीचे देखते हैं, हमें ठीक उसी कोने में शेकेम का टेल दिखाई देता है, और हम उत्तर-पूर्व की ओर तिरज़ा की ओर देख रहे हैं, इसलिए आप इसकी कल्पना कर सकते हैं मानचित्र जो हमने देखा। शेकेम, यहाँ ऊपर थोड़ा अधिक संरक्षित स्थान है, और फिर, निश्चित रूप से, हम बाहर निकलते हैं और सामरिया के चारों ओर देखते हैं, और यद्यपि यह सामरिया की तस्वीर नहीं है, हमें क्षेत्र के चारों ओर निचली पहाड़ियों का एहसास हो रहा है सामरिया ही, सामरिया अधिक सुलभ। सामरिया पर थोड़ा ध्यान केन्द्रित करते हुए, मैं सामरिया के बारे में दो बातें कहना चाहता हूँ।

एक का सम्बन्ध ओम्री के पुत्र अहाब से है। इस क्षेत्र में जो चीजें मिलीं, उनमें से एक यह महल की संरचना रही होगी, उन्हें हाथी दांत मिले। वैसे, उन्हें कुछ ओस्ट्राका भी मिले, इसलिए हमारे पास इस क्षेत्र से कुछ अवशेष हैं जो उस समय अवधि के हैं, लेकिन हाथी दांत के आयात में हम वास्तव में विशेष रूप से रुचि रखते हैं क्योंकि हाथी दांत कहीं विदेशी से आया होगा, और यह होगा कहना, अच्छा, ऐश्वर्य, शोभा, धन।

उदाहरण के लिए, आपके पास अमोस है, जो लोगों को उनके हाथीदांत के घरों आदि के लिए निंदा कर रहा है, और इसी तरह जैसे कि उन्हें ये चीजें इस महल में मिलीं, लौह युग के महल, यह संकेत दे रहा है कि हमें कुछ वास्तविकता मिली है। साथ ही उसकी बेहद उच्च कोटि की वास्तुशिल्प संरचनाएं भी। इसके दूसरी ओर, बस यहाँ वापस आएं; हम इसे देखने जा रहे हैं।

यह सामरिया उतना नहीं है जितना कि अब सेबस्ट का शहर है क्योंकि यह हेरोदेस के मंदिरों में से एक का बचा हुआ मंच मात्र है। यह ऑगस्टस के सम्मान में बनाया गया था, और यदि आप इसके आकार का कुछ अंदाज़ा लगाना चाहते हैं, तो इसके विशाल आकार, यदि आप स्तंभ के लिए उस आधार को देखते हैं, तो कोई व्यक्ति जो लगभग पाँच फीट पाँच का हो सकता है उस पर लेट जाओ, और उनके पैर यहां होंगे, और उनका सिर यहां होगा, इसलिए जोसेफस हमें बताता है कि जो स्तंभ वास्तव में उस आधार से खड़े थे, उन्हें भूमध्य सागर से देखा जा सकता था। खैर, हम उस मध्य क्षेत्र को छोड़ने जा रहे हैं। क्षमा करें, मनश्शे क्षेत्र की जनजातीय विरासत यहीं है, और अगली चीज़ जो हम करने जा रहे हैं वह थोड़ा दक्षिण की ओर जाना है।

हम मनश्शे कर चुके हैं, अब एप्रैम के पहाड़ी देश की ओर बढ़ रहे हैं, और फिर से, इसे कुछ हद तक कृत्रिम रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं, लेकिन हमें यह समझ दें कि हम क्या देख रहे हैं। जाहिर है, यदि आप इसे देख रहे हैं, तो पहली चीज़ जिस पर आप ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं वह प्राथमिक रंग है जो कि उल्लिखित पूरी चीज़ में स्पष्ट है, और यह हरा होता है, जो हमारे कठोर चूना पत्थर का संकेत है। यह हमें वो बातें बताता है जो हम पहले से जानते हैं, है ना? हमें बस वह रंग देखना है, और हमें इसका अच्छा अंदाज़ा है कि क्या हो रहा है।

इसका कठोर चूना पत्थर, इसकी ऊबड़-खाबड़, गहरी वी-आकार की घाटियाँ, बढ़िया मिट्टी, झरने, वे सभी चीज़ें जो इसे भगवान के लोगों के लिए वास्तव में एक अच्छी जगह बनाती हैं। वहाँ एक वाडी प्रणाली भी है जो पश्चिम से होकर गुजरती है, और आपको याद होगा, और मैं खुद को याद दिलाऊँगा जब हमने यहाँ शेफ़ेई ला के बारे में बात की थी, और हमने यहीं यरूशलेम के बारे में बात की थी, और इनमें से एक मैंने आपसे जो कहा वह यह था कि यरूशलेम के ठीक पश्चिम में, उस हरे चूना पत्थर क्षेत्र में, एक ऐसी ऊबड़-खाबड़ वाडी प्रणाली थी जो स्पष्ट रूप से, एक प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती थी। यहां की शिलो प्रणाली के बारे में भी यही सच है।

यह कोई दुर्घटना नहीं है कि इसराइल के इस क्षेत्र में रहने के शुरुआती वर्षों में, यहोशू ने निर्णय लिया कि हमारे पास शिलो में वाचा का सन्दूक है। इसे उस स्थान पर संरक्षित किया गया था। जब हम शहरों के बारे में बात करेंगे तो हम उस पर वापस आएंगे, जो यहीं के बारे में सही होगा।

वहाँ शीलो है. स्थलाकृति को देखो. फिर, इसका अंदाजा लगाना कठिन है, लेकिन हमें थोड़ा-बहुत अंदाजा हो जाता है कि यह एक ऊबड़-खाबड़ इलाका है, आसानी से संरक्षित है।

शीलो आपकी सबसे कीमती, बहुमूल्य चीज़, जो कि परमेश्वर की वाचा का सन्दूक था, को रखने का स्थान होगा। शिलोह में अपना समय बिताओ. हमारे पास इस क्षेत्र में बेथेल और ऐ का संयोजन भी है, जो दो शहर हैं जो विजय की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, जो जेरिको से शुरू हुए और आगे बढ़े।

मुद्दा याद है? ऐ के साथ पहली बार एक पूर्ण तबाही हुई थी, लेकिन फिर उन्होंने इसे अपने कब्जे में ले लिया और अंततः इस क्षेत्र, बेथेल-ऐ और बेथेल पठार पर नियंत्रण कर लिया। हम उस पर वापस आएं। शहरों का एक और समूह जिसे हमें इस मानचित्र पर नोट करने की आवश्यकता है, वे केवल यूबीएच और एलबीएच हैं, इसलिए ऊपरी और निचला बेट होरोन।

हालाँकि यह वास्तव में विशेष रूप से प्रभावशाली नहीं दिखता है, यह इस तथ्य से संकेत मिलता है कि हमें एक लाल मार्ग मिल गया है। यहां रेड थोड़ा अस्पष्ट है, लेकिन आइए कुछ ट्रैक करें। अगर हम मेरे साथ ट्रैक कर सकते हैं।

आप जेरिको से आ रहे हैं. यदि आप पूरे तटीय मैदान तक जाना चाहते हैं, तो आप यहीं अपना रास्ता तय करेंगे। आपके पास वहां एक विकल्प है.

आप बेथेल और ऐ तक जा सकते हैं। सबसे पहले इस्राएलियों ने ऐसा किया। या आप इस क्षेत्र में जा सकते हैं और फिर आप उस लाल मार्ग का अनुसरण कर सकते हैं।

इस उच्च ऊंचाई से जाने के कुछ तरीकों में से एक, बेंजामिन का मध्य भाग, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे, एक रिज होगी जो ऊपरी और निचले बहोरन को जोड़ती है, और फिर आप अपनी लाल रेखा का अनुसरण कर सकते हैं आप जहां भी जाना चाहते हैं, चाहे वह लोद हो या गेजर या कुछ और। तो, अपर और लोअर बेट होरोन बहुत अधिक दिखाई देते हैं। वे विजय कथा में दिखाई देते हैं।

उनका वास्तव में वहां उल्लेख किया गया है। तो यहाँ हम अपने इतिहास के साथ हैं। बस कुछ बातें.

जैसे-जैसे आप अपने पाठ पढ़ते हैं, और भी बहुत कुछ। इब्राहीम और लूत. एक बार जब वे मिस्र से वापस आते हैं, उत्पत्ति 13, तो वे बेथेल के पास बस जाते हैं।

और आपको उस कथा का शेष भाग याद है। तुम्हें पता है, सामान उनके सभी झुंडों और झुंडों का समर्थन नहीं कर सकता है, इसलिए लूत जॉर्डन घाटी में बसने जा रहा है। जैकब भी बेथेल में रहने वाला है।

वहाँ उसे एक स्वप्न आता है। एक विजय है जिसका मैंने पहले ही उल्लेख किया है, बेथेल और ऐ के आसपास के क्षेत्र पर कब्ज़ा करना। और फिर, जब इस्राएली गिबोनियों की सहायता के लिए

आगे आए, तो हम उसके बारे में बाद में बात करेंगे। विजय के बारे में सोचें, विशेष रूप से यहोशू 9 और 10 के बारे में।

ये सभी महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। इस तथ्य का उल्लेख करें कि तम्बू इस समय शीलो में था और तब दुखद रूप से महत्वपूर्ण था। एक बार जब नबात का पुत्र यारोबाम दस गोत्रों को ले लेता है, यदि आप चाहें तो संघ से अलग हो जाते हैं, तो वह एक काम यह सुनिश्चित करने के लिए करेगा कि लोग उत्तरी राज्य और दक्षिणी राज्य के बीच की सीमा को पार न करें, उन्होंने कहा बेथेल में एक सुनहरा बछड़ा।

वह डैन पर भी एक डालता है। हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन वह बेथेल में एक डालता है। और विचार यह है कि बेथेल पर्वत श्रृंखला के उस उत्तर-दक्षिण शीर्ष पर है; हमने इस बारे में बात की है कि आपको उत्तर से दक्षिण की ओर कैसे जाना है; तुम्हें रिज पर रहना होगा। बेथेल वहाँ होता और वह स्थान होता जहाँ लोग कह सकते थे, ओह, तुम्हें यरूशलेम के दक्षिण में जाने की ज़रूरत नहीं है; वह एक प्रकार का शत्रुतापूर्ण क्षेत्र है; बस यहाँ आओ और यहाँ पूजा करो।

हमें एक निष्पक्ष, सभ्य, सभ्य पूजा वाले सुनहरे बछड़े का सामान मिला। जब हम न्यायाधीशों की पुस्तक का अंत पढ़ते हैं, जो, वैसे, 17 से 21 तक, लेकिन विशेष रूप से 19 और 21 अध्यायों का वास्तव में दर्दनाक सेट है, तो आप जानते हैं कि यह लेवी और उसकी उपपत्नी और उसके सभी घृणित परिणाम हैं, लेकिन यह दिलचस्प कविता है क्योंकि वे शीलो में होने वाली किसी चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं, और यह सब बेंजामिन जनजाति को फिर से भरने से संबंधित है, लेकिन भूगोल यहां खेलता है। मुझे इसे पढ़ने दो।

शीलो, बेतेल के उत्तर में, उस सड़क के पूर्व में जो बेतेल से शकेम तक जाती है, दूसरे शब्दों में वह मार्ग जिसका हम पहले ही उल्लेख कर रहे हैं, ट्रेक, यरूशलेम, गिबा, रामा, मिट्ज्वा, बेतेल और फिर शकेम तक। शीलो उससे थोड़ा पूर्व में है, हाँ, थोड़ा अधिक सुरक्षित है, लबोना के दक्षिण के मार्ग से थोड़ा हटकर है। यह लबोना घाटी है और आप वास्तव में उस घाटी तक जाने के लिए एक पुरानी सड़क को टेढ़े-मेढ़े, बालों को काटते हुए देखते हैं।

ठीक है, ठीक है, हमने पहाड़ी देश जो मनश्शे की आधी जनजाति से संबंधित था, एप्रैम का पहाड़ी देश, जो कि जैसा कि हमने देखा है, बहुत अधिक संरक्षित है, और अब, इसके विपरीत, छोटी लेकिन कमजोर और खुली पहाड़ी बेंजामिन का देश। यहाँ यह दीर्घवृत्त में है। तो, आइए पहले देखें कि यह कैसा दिखता है।

हालाँकि यह छोटा है, यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, और यह उस बात पर आधारित है जो मैंने कुछ समय पहले यहीं से गुजरने वाले एक मार्ग और अपर और लोअर बेहॉर्न नामक दिलचस्प जगह के बारे में कही थी। बेंजामिन के केंद्र बिंदु पर एक पठार है। वहाँ वह हरा सामान थोड़ा और फैल जाता है।

यह सिर्फ वह रिज नहीं है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। अब यह थोड़ा और फैल गया है।
वैसे, यदि आप सोच रहे हैं तो यहां यह नीली रेखा वाटरशेड है।

वह सड़क नहीं है; यह एक जल विभाजक है। केंद्र में एक कठोर चूना पत्थर का पठार है, मैंने
पहले ही इसका उल्लेख किया है। जाहिर तौर पर हमें यह चाक-चौबंद सामान पूर्व की ओर मिला
है, जो बहुत कम मेहमाननवाज़ है, लेकिन फिर भी हमें इससे पार पाना होगा।

और मैं मार्गों के बारे में बात कर रहा हूँ। रिज मार्ग उत्तर-दक्षिण की ओर जाता है। हम एक क्षण
में उस मानचित्र को देखेंगे जिसमें मार्ग हैं, लेकिन यह उसके शीर्ष भाग का अनुसरण करेगा और
फिर राम, राम, राम के साथ दिलचस्प पूर्व-पश्चिम मार्गों का अनुसरण करेगा।

हम थोड़ी देर में शहरों के बारे में बात करेंगे। ठीक है, हम यहाँ चलते हैं। अब, क्योंकि बेंजामिन में
महत्वपूर्ण शहरों की इतनी अव्यवस्था है, मुझे लगता है कि मैंने यहां सभी प्रकार के तीर लगाने से
परहेज किया है क्योंकि वे बाकी सभी चीज़ों को अवरुद्ध कर देते हैं।

तो इससे पहले कि मैं सूची में कुछ भी डालूँ, आइए उन चीज़ों को ध्यान से देखें जिन्हें हम पहले से
जानते हैं। तटीय मैदान, शेफेला, यहूदा का पहाड़ी देश, यहूदिया का जंगल। और अब आइए
यरूशलेम से शुरू करें क्योंकि हम जानते हैं कि यरूशलेम, इसके बारे में हमारे अध्ययन से,
सीमा पर है, बिन्यामीन की दक्षिणी सीमा, है ना? यहाँ यहूदा, बिन्यामीन की दक्षिणी सीमा है।

यदि हम पूर्व की ओर जाएं, जेरिको, न्यू टेस्टामेंट, ओल्ड टेस्टामेंट, जेरिको, यहीं। यदि हम पश्चिम
की ओर जाएं, गेजर, और उसके बीच में, नगरों के उस समूह को देखें। आइए गीज़र से काम करें
और दो चीज़ों पर ध्यान दें जो हम पहले ही देख चुके हैं।

यहाँ अपर बेट होरोन है। ओह, मुझे लगता है कि निचला भाग वहां नहीं है, लेकिन अपर बेट
होरोन है। निचला उस बिंदु पर ठीक नीचे होगा।

किरियत याइरिम, गिबोन। वे चार शहरों में से दो हैं जिन्होंने खुद को इस्राएलियों के साथ गठबंधन
किया क्योंकि वे जानते थे कि एक बार जब इज़राइल ने बेथेल और ऐ पर नियंत्रण कर लिया, तो
जीवन उनके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण होने वाला था, इसलिए उन्होंने गठबंधन बनाया, धोखा दिया।
निःसंदेह, इससे यरूशलेम के साथ-साथ हेब्रोन और यहां के अन्य शहर भी वास्तव में घबरा गए।

तो यह होने वाली लड़ाई के लिए हमारा भूराजनीतिक विन्यास होगा। लेकिन चलो चलते रहें।
हमारे पास गिबोन है।

हमारे पास यरूशलेम के उत्तर में गिबा, शाऊल का गृहनगर है। रामा, चौराहा जिसका हमने
कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था। मिटज़पा, और फिर बेथेल।

हम यहीं पर दो अतिरिक्त साइटों, गोबाह और मिकमाश पर भी ध्यान देना चाहते हैं। यहां सूची है,
और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, मैं उन्हें फिर से इंगित करूंगा। वह अंतिम यात्रा पश्चिम से पूर्व की
ओर गयी।

अब हम इसे दोहराने के लिए पूर्व से पश्चिम की ओर जा रहे हैं। यहाँ जेरिको है। बेथेल, यहीं, फिर से, एप्रैम में, लेकिन इतना करीब कि हमें बेथेल और ऐ कनेक्शन पर ध्यान देने की जरूरत है।

गेबाह और मिकमाश, आपके बगीचे की विविधता के नाम नहीं, बल्कि कुछ आख्यानों में, वास्तव में, वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। यह सैमुअल की पहली कथा थी। गिबा, रामा, मिट्ज़पा, ठीक है? गिबा, रामा, मिट्ज़पा, उस पहाड़ी पर।

गिबोन, हमारा मुखिया, यह कहां गया, यहां यह है, इजराइल के खिलाफ या उसके साथ गठबंधन करने वाले हमारे लीग का मुखिया और अंत में यरूशलेम और अन्य के खिलाफ। और फिर गेजेर, वास्तव में, एप्रैम का जनजातीय क्षेत्र है, लेकिन अयालोन घाटी के माध्यम से यहां तक पहुंच के एक शहर के रूप में बेहद महत्वपूर्ण है। इससे पहले कि हम इस मानचित्र को छोड़ें, बस ध्यान दें कि यहां यरूशलेम के पश्चिम में एक प्राकृतिक सुरक्षा है।

यह उन कुछ चीज़ों के लिए महत्वपूर्ण होगा जो हम बाद में कहने जा रहे हैं। जरा गौर करें कि यरूशलेम और रामा के बीच, इसका यह चित्रण भी दिखाता है कि यह थोड़ा सा समतल हो गया है। वह हमारा केंद्रीय बेंजामिन पठार होगा।

ठीक है, आइए देखें कि इतिहास के संदर्भ में हम इस सबके साथ क्या कर सकते हैं। यह कुछ चीज़ों को एक साथ जोड़ देगा जिनका उल्लेख मैं तब कर रहा हूँ जब हम मानचित्र को देखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। बेथेल के कुलपिता, इब्राहीम, याकूब, महत्वपूर्ण सामग्री।

विजय, और मैं इस बात पर पर्याप्त ज़ोर नहीं दे सकता कि इस विशेष चीज़ से शुरू करके पूरे इतिहास में केंद्रीय बेंजामिन पठार कितना महत्वपूर्ण है। इसे फिर से कहने के लिए, गिबोन इतना जानता था कि एक बार जब बेथेल और मैं इस्राएलियों के हाथों गिर गए, तो उन्हें अपनी रक्षा करने की आवश्यकता थी। इसलिए वे तीन अन्य शहरों, केफिरा, यकीरा, यारीम, बेरोट के साथ गठबंधन करने जा रहे हैं।

वे चार नगर हैं, गिबोन समेत तीन नगर। वे ही हैं जो जाकर कहते हैं, ओह, हमारे जूते घिस गए हैं, हमारी रोटी में फफूंद लग गई है। इजराइल, यहोशू, भगवान से परामर्श किए बिना, यह कहता है, उनके साथ वह संधि की, जिसका अर्थ है कि जब वे, चार शहरों, गिबोन, केफिरा, बेरोट, केफिरा, यारीम, पर यरूशलेम द्वारा हमला किया जाता है, और दक्षिण में चार अतिरिक्त शहर।

इस्राएलियों को ऊपर जाना होगा और अपनी संधि बनाए रखनी होगी, लेकिन वे अंततः यरूशलेम की लीग का पीछा करेंगे और इसी तरह, बेत होरोन मार्ग से होते हुए उन्हें दक्षिण की ओर ले जाएंगे। न्यायाधीश 19 से 21 इस क्षेत्र में प्रकट होते हैं, जैसा कि मैंने कहा। इतिहास में आगे बढ़ते हुए, हमारे पास हमारी पहली सैमुअल कथाएँ, जोशुआ, न्यायाधीश, 1 सैमुअल हैं।

सैमुअल का गृहनगर रामाह है। सैमुअल चौराहे पर रहता है। उसे मत चूको।

वह बहुत महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। यह बड़ा नहीं है, लेकिन यह पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण मार्ग में चौराहा है। और शाऊल का गृहनगर, शमूएल के रामाह नगर के ठीक दक्षिण में।

यह अंततः महत्वपूर्ण होने जा रहा है। बस उस पर टिके रहो। इस बीच, शाऊल के राजा बनने के बाद, ऐसा तब होता है जब हम पहले सैमुअल आख्यानो के बारे में बात कर रहे होते हैं।

और वैसे, मुझे एहसास हो रहा है कि वहां मेरा संदर्भ खराब है। तो, आपके दिमाग में, बस 1 राजा मिटा दें और 1 सैमुअल डाल दें, है ना? वह 1 शमूएल होना चाहिए, योनातान और उसके हथियार ढोनेवाले के साथ। हमें इसे थोड़ी देर बाद ठीक करना होगा।

किसी भी दर पर, फ़िलिस्ती, इस समय सीमा में, वास्तव में इज़राइल के लिए जीवन को दयनीय बना रहे हैं। फिर से, 1 सैमुअल, 13 और 14 के बारे में सोचें। वे हैं, मैं आपको एक क्षण में एक नक्शा दिखाने जा रहा हूं, जो कि मध्य बेंजामिन क्षेत्र में है।

वे वास्तव में वास्तविक पठार को पार कर गए हैं। उन्होंने गेबा और मेखमाश क्षेत्र में अपना रास्ता बना लिया है। जोनाथन और उसका कवच-वाहक उस संदर्भ में काम करने जा रहे हैं।

एक बार जब शाऊल मर जाता है, 1 शमूएल के अंत में, तब हमारे पास डेविड होता है। जैसा कि हमने कहा है, हेब्रोन में सात वर्षों तक शासन करने के बाद, हम बिन्यामीन क्षेत्र की दक्षिणी सीमा, यरूशलेम में चले जायेंगे। एक चीज जो मैं करना चाहता हूं, और वह यहां नहीं है, और यह वास्तव में होनी चाहिए, वह इस बिंदु पर बस एक प्रकार का इंटरफ़ेस है।

शाऊल द्वारा, गंभीरता से, प्रभु की दो बार अवज्ञा करने के बाद, हम इसे पहली बार तब देखते हैं जब वह बलिदान चढ़ाता है जो नहीं होना चाहिए था। हम इसे दूसरी बार, 1 शमूएल 15 के पाठ में देखते हैं, जब वह अमालेकियों के संबंध में प्रभु की आज्ञा का पालन नहीं करता है। प्रभु ने शमूएल को दाऊद का अभिषेक करने के लिए भेजा, और फिर, इस बिंदु पर अपने मानचित्र के बारे में सोचें क्योंकि शमूएल रामा में रहता है।

बेथलेहेम जाने के लिए, जहां डेविड रह रहा है और जहां सैमुअल उसका अभिषेक करने जा रहा है, सैमुअल को गिबा से आगे जाना होगा। यह उस मार्ग पर है। हम कल्पना कर सकते हैं कि गिबिया में ऐसे लोग होंगे जो सैमुअल की हरकतों से अच्छी तरह वाकिफ होंगे क्योंकि वह रामा से गिबिया के पार बेथलहम जा रहा है, शायद यही कारण है कि सैमुअल थोड़ा चिंतित है और मूल रूप से इस घटना के लिए भगवान से एक कवर की मांग करता है। यह बेथलहम में घटित होने वाला है, जो उसके पास होगा।

वह वहां एक बलिदान देने जा रहा है। डेविड का अभिषेक किया जाएगा। किसी भी दर पर, बहुत तेजी से अग्रेषण जारी रखते हुए, मैंने यहां सब कुछ शामिल नहीं किया है, लेकिन उस छोटी सी सूची को देखने पर भी जो चीजें आप देखते हैं उनमें से एक यह है कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

और राज्य में विभाजन के बाद, जब उत्तर नबात के पुत्र यारोबाम के पीछे चला गया, जब आपके पास बेटेल में एक सुनहरा बछड़ा था, तब इस क्षेत्र में लगातार, निरंतर युद्ध का मैदान बना रहा। फर्स्ट किंग्स 15 कई क्षेत्रों का केवल एक उदाहरण है। राजा, आसा, दक्षिण में है।

बाशा अभी उत्तर में एक नए राजवंश की शुरुआत कर रहा है, और हम थोड़ी देर में उसके बारे में बात करने जा रहे हैं। सबसे पहले, यहाँ ऐ है। ऐ पर थोड़ा सा।

मैं इन्हें जल्दी से छोड़ दूँगा क्योंकि मैं आसा-बाशा कथा वाले मानचित्रों तक पहुँचना चाहता हूँ। मुझे एहसास है कि यह शायद वैसा नहीं दिखता जैसा हम टेबललैंड के रूप में सोचते हैं। इसे ही हम पठार समझते हैं।

लेकिन यह सामान से पश्चिम या पूर्व की ओर एक बहुत ही चपटा क्षेत्र है जो कि बहुत अधिक ऊबड़-खाबड़ है, जैसे कि। वह पूर्वी बेंजामिन है। अतः पठार एक अच्छा युद्ध क्षेत्र था।

यहाँ हमारी कथा है, सबसे पहले, गेबा, मिकमाश और पलिशतियों के बारे में। और वहाँ मुझे संदर्भ सही मिला है, इसलिए यह सब अच्छा है। यहाँ एक नक्शा है।

इससे रास्ते थोड़े साफ हो जाते हैं। तो यहाँ हमारा उत्तर-दक्षिण मार्ग है। यहाँ हमारा पूर्व-पश्चिम मार्ग है।

यहाँ हमारे पास जेरिको, बेथेल-ऐ है। यहाँ हमारे पास राम के लिए आर है, और आप वहीं पर चौराहा देखते हैं। यरूशलेम, गिबा, गिबोन।

लेकिन जो मैं आपको दिखाना चाहता हूँ वह यह अगली चीज़ है। वहाँ मिकमाश है। वहाँ गेबा है।

वे दो शहर हैं जो इस 1 शमूएल 13 और 14 की कथा में दिखाई देते हैं। हां, अन्य लोग भी ऐसा करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह है कि पलिशती इस क्षेत्र से, जहाँ हम उनके बारे में सोचते हैं, न केवल इज़राइल के क्षेत्र में बल्कि बहुत पहले ही प्रवेश कर चुके हैं। उन्होंने मध्य बेंजामिन पठार में, उसके पार, और यहीं गेबा और मेकमाश तक अपना रास्ता बना लिया है।

जब हम इस विशेष मानचित्र को देखते हैं और फिर पलिशतियों के खतरे को देखते हैं तो इससे हमें कुछ संकेत मिलता है कि यह कितना गंभीर था। वास्तव में, पाठ हमें बताता है कि यहीं उनकी एक चौकी थी, और पलिशतियों ने हमलावरों को उत्तर की ओर भेजा, हमलावरों को यहाँ भेजा, और हमलावरों को इस तरफ भेजा। वे वास्तव में इस्राएलियों पर भारी पड़ रहे थे और उन पर भयंकर अत्याचार कर रहे थे।

इस्राएली गेबा में डेरे डाले हुए हैं। पलिशती मेकमाश में हैं। आप आख्यान पढ़ सकते हैं।

इसे खोलें और पढ़ें क्योंकि जोनाथन अपने कवच ढोने वाले से कहेगा, तुम्हें पता है, चलो देखते हैं कि क्या हम उन तक पहुंच सकते हैं। वहाँ एक पास है। यह बीहड़ इलाका है।

आपने उस पूर्वी बेंजामिन क्षेत्र की बीहड़ता की तस्वीर देखी है, लेकिन यहां एक प्राकृतिक घटना है जो हमें गेबा से ऊपर, कुछ हद तक नीचे की ओर ले जाएगी। आप वहां से चलकर यहां आ सकते हैं, और फिर ठीक इसी क्षेत्र में मेकमैश है। जोनाथन और उसका हथियार ढोने वाला, दो हाथों से, ऊपर चढ़ेंगे, और जैसा कि आप कहानी जानते हैं, वे पलिशती चौकी को तोड़ देंगे।

वे मध्य बेन्जामिन पठार में बड़े पैमाने पर पलिशतियों का पीछा करेंगे। वे पश्चिमी दिशा में उनका पीछा करते हैं, और पलिशतियों को, कम से कम उस बिंदु पर, वापस वहीं धकेल दिया जाता है जहां वे हैं। लेकिन पिछली स्लाइड और इस स्लाइड में नक्शा देखकर भी हमें अंदाजा हो जाता है कि यह कितना गंभीर मामला था।

वैसे, मिकमाश में इस चीज़ का उल्लेख केवल इस कथा में नहीं किया गया है। जब यशायाह यशायाह अध्याय 10 में अशूरियों के आने के बारे में बात कर रहा है, तो वह शहरों का एक बहुत ही अशुभ सेट देता है। वे इस बिंदु पर आते हैं, वे इस बिंदु पर आते हैं, वे मेकमैश में रुकते हैं, वे मेकमैश में दर्रे को पार करते हैं, वे अपना सामान छोड़ते हैं, और फिर वे चलते रहते हैं, और जाहिर है, यरूशलेम उस विशेष कथा में क्रॉसहेयर में है।

खैर, चलो बस एक आखिरी काम करते हैं। वैसे, यहूदा का राजा आसा एक अच्छा राजा है। वास्तव में, वह वास्तव में एक दिलचस्प अच्छा राजा है क्योंकि केंद्रीय बेंजामिन पठार पर होने वाली इस कथा के घटित होने से पहले, आसा पर यहां से इथियोपियाई लोगों के एक समूह ने आक्रमण किया था।

भीड़ और भीड़ और उनकी भीड़। वह प्रभु से मदद मांगता है। प्रभु उसका उद्धार करते हैं।

इतिहास हमें इसके बारे में सब कुछ बताता है। आसा ने उस सन्दर्भ में परमेश्वर पर भरोसा किया। आगे जो होने वाला है उसके लिए यह एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि है।

बाशा. खैर, बाशा ने अभी-अभी राजवंश, पूर्ववर्ती राजवंश पर कब्ज़ा कर लिया है। आप भी उतना अच्छा पढ़ सकते हैं जितना मैं पढ़ सकता हूँ; वह यारोबाम के वंश को नष्ट कर देता है।

वह तुरंत अपने राजवंश की शुरुआत करता है और यहां मानचित्र को घटित होते हुए देखता है; बाशा यहां नियंत्रण कर रहा है। यहाँ दक्षिणी राज्य है. जब आप किसी दुश्मन के खिलाफ खुद को मजबूत करना चाहते हैं तो आप क्या करते हैं? ठीक है, आप उस सामान को पकड़ लेते हैं जो उस दुश्मन के लिए मूल्यवान है, और आप उस पर टिके रहते हैं, और आप एक शक्तिशाली चाल चलते हैं।

और बाशा जो करता है वह रामा को पकड़ना है। यह एक चौराहा है. हम यह पहले ही कह चुके हैं।

क्योंकि यह इतना ऊबड़-खाबड़ इलाका है, यह यरूशलेम के पश्चिम और पूर्व की ओर जाने का रास्ता है। आसा मानता है कि वह भयानक दबाव में है। यहां तक कि आर्थिक रूप से सोचें, भूराजनीतिक रूप से सोचें, सभी प्रकार की चीजें सोचें।

एक बार जब राम उत्तर से शत्रुतापूर्ण बाशा की पकड़ में आ गए, तो आसा सोचता है कि उसे कुछ करना होगा। उसे कुछ करना होगा क्योंकि वह उस चौराहे तक नहीं जा सकता और न ही पश्चिम की ओर जा सकता है और न ही पूर्व की ओर जा सकता है। लेकिन इसके विपरीत जब उस पर दक्षिण से इथियोपियाई लोगों ने हमला किया था, तब उसने क्या किया? वह यहां सीरिया तक दूत भेजता है और मदद मांगता है।

1 राजा 15, वह कहता है, कृपया उत्तर से उत्तरी राज्य पर आक्रमण करें। इसका मतलब है कि तब उनकी सेनाएं ऊपर जाने वाली हैं, और वे उत्तर में लड़ने जा रहे हैं। वे पीछे हट जायेंगे और मैं राम को वापस पकड़ने में सक्षम हो जाऊंगा।

और उसने बिल्कुल वैसा ही किया। और वास्तव में, यदि आप इस मानचित्र पर बहुत ध्यान से देखें, तो यहाँ राम हैं। वह इसे वापस ले लेता है।

और पाठ हमें विशेष रूप से बताता है कि आसा ने गेबा को मजबूत किया और मिट्ज्वा को मजबूत किया। और आप वहां मानचित्र पर उन छोटे लाल धब्बों को देखते हैं। जो आसा की रणनीतिक किलेबंदी के संकेत हैं।

वह एक को यहां उस सड़क पर रखता है जो इस ओर जाती है। वह वहीं मिट्ज्वा में एक किलेबंदी चौकी बनाता है। और इसका मतलब है कि उसे राम के चारों ओर एक छोटी सी बाड़ मिल गई है।

वह राम को इस तरह रख सकता है, और वह पश्चिम से बाहर निकल सकता है। और तुम सोच रहे हो, यार, यह वास्तव में रणनीतिक है। उसके लिए अच्छा।

क्या इस पर प्रभु का निर्णय है? राजाओं की पुस्तक में हमारे पास कोई टिप्पणी नहीं है, लेकिन इतिहास की पुस्तक में, यह बहुत दिलचस्प है क्योंकि भगवान आसा के पास एक भविष्यवक्ता भेजता है और मूल रूप से पिछली घटना में जो कुछ हुआ था उसे याद दिलाता है जब आसा ने भगवान पर भरोसा किया था। और भविष्यवक्ता कहता है, तू ने इस बार भी ऐसा क्यों न किया? तो भले ही वह रणनीतिक कदम मानचित्र पर काफी अच्छा दिखता हो और आसा को वास्तव में अच्छा लग रहा हो, यह एक गलती थी। यह इस बात का संकेत था कि उस पर भरोसा नहीं किया जा रहा था।

हम केंद्रीय बेंजामिन पठार पर हुई हर लड़ाई के बारे में नहीं जाने वाले हैं, लेकिन यह आपको उस क्षेत्र के महत्व के बारे में पहले किंग्स 15 के कुछ छंदों में एक विचार देता है, जो वास्तव में समकालीन राजनीति में है। जेरूसलम ने, 1967 के बाद पूरी तरह से समझ में आने वाले कारणों से, केवल अपनी रक्षा के लिए इस क्षेत्र के बहुत से हिस्से पर कब्जा कर लिया। एक प्रकार का अपराध।

खैर, आइए एक त्वरित समीक्षा करें कि हम कहां हैं। हमने मनश्शे के पहाड़ी देश के बारे में बात की और विशेष रूप से, शकेम एक प्रमुख शहर है, गेरिजिम और एबाल इसके ऊपर ऊंचे हैं,

और वाचा और सभी प्रकार की चीजों के लिए इसका महत्व है। हमने राजधानियों, तिरज़ा, और फिर सामरिया के स्थानांतरण के बारे में बात की और इसका क्या मतलब था, सामरिया की राजधानी को पश्चिम में ले जाना, विशेष रूप से फेनिशिया और ईज़ेबेल के अहाब से विवाह करने के संबंध में।

हमने इस तथ्य के बारे में बात की कि एप्रैम का पहाड़ी देश स्थलाकृति के कारण एक बहुत ही संरक्षित क्षेत्र है। शिलोह में हमारे पास काफ़ी समय के लिए सन्दूक है। और फिर हमने अंततः बेंजामिन के छोटे क्षेत्र के बारे में बात की, लेकिन विशेष रूप से रणनीतिक क्षेत्र के बारे में क्योंकि यह अंततः एक युद्ध का मैदान, मध्य बेंजामिन पठार बन जाता है।

तो हम इसे इस बिंदु पर यहीं छोड़ने जा रहे हैं। और, वैसे, हम यहां अपने सामरिया कनेक्शन को नज़रअंदाज़ नहीं करेंगे क्योंकि यह हमारे अगले क्षेत्रीय अध्ययन के लिए एक कड़ी बनने जा रहा है।

यह डॉ. एलेन फिलिप्स और बाइबिल अध्ययन के परिचय पर उनका शिक्षण है। यह सत्र संख्या सात, सेंट्रल एरेना, हिल कंट्री है।